Newspaper: Amar Ujala
Edition: Delhi | Page no: 8 | Date: 19th January 2017

लर्निंग आउटकम मार्च में तैयार तो अप्रैल सत्र से लागू होगा : जावड़ेकर

नई दिल्ली (ब्यूरो)। देशभर के स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा तक के छात्र अपनी कक्षा में क्या पढ़ रहे हैं, उसकी जवाबदेही अब स्कूलों की होगी। लर्निंग आउटकम (अध्ययन का परिणाम) के सूचकों पर जनता के सुझावों के आधार पर उसमें संशोधन मार्च के आखिर तक तैयार कर लिए जाएंगे और देशभर के स्कूलों में अप्रैल सत्र से यह नियम अनिवार्य रूप से लागू हो जाएगा। यह जानकारी बुधवार को मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सर्व शिक्षा अभियान के तहत शगुन वेब पोर्टल लांच कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधन में कहीं। इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जावड़ेकर ने कहा कि शिक्षण परिणाम में आठ विषयों हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, गणित, इंनवायरमेंटल साइंस, साइंस व सोशल साइंस में एनसीईआरटी द्वारा बनाए गए सूचकों के आधार पर स्कूलों को बच्चों को पढ़ाना अनिवार्य होगा। इसकी पूरी निगरानी भी की जाएगी, ताकि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सके। छात्रों के बाद स्कूली शिक्षकों की ट्रेनिंग पर काम किया जाएगा, जिसका खाका तैयार कर लिया गया है। शिक्षकों की ट्रेनिंग के बाद छात्रों के फीडबैक के आधार पर उनकी कमियों का दूर किया जाएगा। जावड़ेकर ने कहा कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत शगुन पोर्टल के माध्यम से देशभर के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई से लेकर विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी मिल सकेगी। इससे एक-दूसरे की अच्छी योजनाएं छात्रों समेत शिक्षकों को सांझा करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा इस पोर्टल में शिक्षकों को दिव्यांगों के 21 प्रकार के वर्गों की जानकारी भी मिलेगी।